सत्यमेव जयते

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
भारत सरकार

एमएसएमई इनसाइडर

• अक्तूबर, 2018 • खंड II • खादी अंक •

केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी **श्रीमती प्रीता वर्मा** की डेस्क से

खादी - भारत की फैब्रिक

जब हम खादी के बारे में बात करते हैं तो यह भारत में हाथ से बुनी सूती, रेशमी या ऊनी यार्न से या किन्हीं दो या सभी ऐसी यार्न के मिश्रण से भारत में हाथ से करघे पर बनाए गए कपडे को खादी के रूप में परिभाषित किया गया है, का ध्यान दिलाता है।

राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय महात्मा गांधी ने मजबूती से खादी की भावना का समर्थन किया। "खादी की भावना का अर्थ पृथ्वी पर मानव जाति के साथ भाईचारे की भावना हैं"। एक अर्थ में यह न केवल गरीबों की जिम्मेदारी लेती है बल्कि "खादी भावना" पृथ्वी पर मानव जाति के साथ अंतहीन धैर्य, विश्वास और सहानुभूति को दर्शाती है।

इतिहास में पीछे जाने पर हम पाते हैं कि यह विगत के खजाने से आज के लिए एक उपहार है। वास्तव में यह प्राचीन विरासत का सजीव अंग है। बहुमुखी फैशन फैब्रिक, खादी का कड़ी मेहनत से जीती स्वतंत्रता के माध्यम से भारत को नेवीगेट करने के लिए एक औजार के रूप में उपयोग किया गया है। 71 वर्ष पहले एवं आज भी फैब्रिक सभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर रचनात्मक मनोवृत्तियों को प्रेरित एवं आश्चर्यचकित करती रहती हैं । "भारत की फैब्रिक" के रूप में खादी अपने आप में संस्कृति सिद्ध हुई है जो सचमुच हमारे देश की उपलब्धियों को गर्वपूर्वक दर्शाती है।

तीव्र औद्योगीकरण एवं बहुमुखी उपभोक्ता मांग के चलते विश्व में उत्पादों की अधिक मांग होती रही है जो ग्रीन, संपोषणीय तथा पर्यावरण अनुकूल है जिससे जीरो अपशिष्ट उत्पादित होता है, उसका जीरो कार्बन फूट प्रिंट होता है और बायो डिग्रेडेबल है। इस परिदृश्य में हम उपग्रह पर पहुँचाई गई क्षति को मिटाने के रास्ते ढूँढ रहे हैं। खादी एक विचार है जो सही-सही बैठती है और आधुनिक समय में समय की आवश्यकता बन रही है।

अपनी पर्यावरण अनुकूल प्रकृति के अलावा, अपने पूर्ण एवं फैब्रिक गुणता, फॉल एवं ड्रेप के कारण खादी स्टाइलिश वृतांत बन गई है जिसे अब डिजाइनरों द्वारा लोकप्रिय रूप से गले लगाया जाता है। उच्चतर स्तर के एशलॉन की सफाई कर इस फैब्रिक को सॉट-आफ्टर-जीनर से अधिक कुलीन वर्ग तक उन्नत किया गया है। चरखे पर हाथ काता तथा हाथ बुना एवं खादी अधिप्रमाणित वस्त्र जो रेशम, ऊन और सूत से बनाया जाता है और यहाँ तक कि इससे डेनिम खादी भी तैयार की जाती है।

सर्वप्रथम एवं केवल टूल चरखा जिसने हाथ से काते एवं हाथ से बुने कपड़े का उत्पादन किया है जो श्रम, समानता एवं एकता का मूर्त रूप प्रस्तुत करता है। उम्र, सामाजिक वर्ग एवं लिंग का लिहाज किये बिना व्यक्ति कपड़े के उत्पादन में कताई या अन्य प्रक्रिया में लगा हुआ है। इसलिए कताई रोजगार एवं आजीविका का साधन समझी जाती है क्योंकि यह करोड़ों लोगों के लिए रोजगार सृजित करती है।

जुलाई, 2018 तक, खादी ने लगभग 4,63,171 लोगों के लिए रोजगार सृजित किए हैं। इसके अलावा, इन कारीगरों के जीवन स्तर में सतत विकास हुआ है। उनकी मजदूरी दर 7.50 रु. प्रति हैंक तक बढ़ गई है और इसमें 36% की आश्चर्यजनक विकास दर देखी गई है।

समय बीतने के साथ ही चरखा में विभिन्न रचनात्मक एवं सकारात्मक परिवर्तन पूरे हुए हैं। 1964 में चार तकुली वाला लकड़ी का चरखा 2007 में बदल कर ई-चरखा हो गया है। प्रौद्योगिकी में सुधार ने उत्पादन एवं बिक्री का साथ दिया है। खादी के अंतर्गत वर्ष 2017-18 के दौरान लगभग 1624.50 करोड़ रु. का प्रभावशाली उत्पादन एवं 2508.50 करोड़ रु. की बिक्री हुई है।

अंतिम लेकिन कम नहीं राष्ट्रपिता की वैभवशाली संपत्ति और राष्ट्रीय स्वतंत्रता के शक्तिशाली औजार (टूल) हमेशा लोगों के दिमाग में था। केवीआईसी ने केआरडीपी, स्फूर्ति जैसी विभिन्न स्कीमों एवं कार्यक्रमों से इसे आगे बढ़ाया। आज इसकी सूचनाएं केवीआईसी की सभी स्कीमों का भाग बन गई हैं।

इतना ही नहीं, माननीय प्रधानमंत्री ने अपने "मन की बात" में निश्चयपूर्वक कहा था कि खादी कपड़ा गरीबों की सहायता करने के लिए एक आंदोलन है। खादी खरीदने के उनके आह्वान ने सर्वत्र लोगों के मन पर बड़ा प्रभाव छोड़ा है जिसके फलस्वरुप देश के सभी क्लस्टरों में खादी की बिक्री में वृद्धि हुई है। युवा सहित लोग खादी के बारे में अधिक जागरुक हो गए हैं और बहुत-से युवा खादी खरीद रहे हैं।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय़, भारत सरकार विभिन्न कार्यक्रमों एवं स्कीमों के माध्यम से खादी का संवर्धन कर रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। केवीआईसी की पहल ने खादी क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण विकास करने के लिए खादी संस्थाओं की मदद की है।

खादी क्षेत्र में हाल की पहल

- द्वितीय डोस के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना की लागत को बढ़ाकर 1.00 करोड़ रुपये कर दिया गया है।
- एक मोबाइल ऐप्लिकेशन देशभर में उनके चारों ओर खादी भण्डारों का पता लगाने में भावी ग्राहकों की मदद करने के लिए शुरु की गई है।
- आरईसी, ओएनजीसी तथा सीएसआर जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने प्रशिक्षण-सह- उत्पादन केन्द्रों की स्थापना के लिए केवीआईसी के साथ हाथ मिलाये हैं।
- अन्य फैब्रिकों के सममूल्य पर खादी को लाने के लिए, केवीआईसी ने रेमंड्स, निफ्ट, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल), अरविंद मिल्स, आदि जैसे अग्रणी बाजार के साथ विपणन सहयोग किया है। इसने खादी कारीगरों को लगभग 10 लाख श्रम घंटे के अतिरिक्त रोजगार सृजित करने में भी मदद की है।

खादी क्षेत्र में सर्वोत्तम पद्धतियां

- खादी कारीगरों के हित एवं कल्याण में कारीगर कल्याण निधि स्थापित की गई है।
- बाजार संवर्धन और विकास सहायता स्कीम के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के रूप में कारीगरों के बैंक खाते में सब्सिडी/प्रोत्साहन राशि सीधे प्रेषित की जाती है।
- खादी उत्पादक संस्थाओं का श्रेणीकरण किया गया है एवं उनके उत्पादन की क्षमता परिभाषित की गई है।
- ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाणपत्र स्कीम को अब ऑनलाइन किया गया है जिससे कि स्टेकहोल्डरों के लिए स्टैण्डर्डकृत प्रक्रिया एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।
- जुलाई, 2013 में जारी खादी चिह्न विनियम शुरु किया गया है और खादी संस्थाओं ने उसका अनुपालन किया है।

खादी क्षेत्र में महत्वपूर्ण उत्पाद

- **मलमल खादी, कोसा/टसर खादी सिल्क**
- **मुगा सिल्क**
- **मनीला शर्टिंग**
- **पोचमपल्लवी सिल्क**
- **बंगाली प्रिंट साड़ी**

प्रधान मंत्री वाराणसी में कारीगरों को उपकरण भेंट करते हुए

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 18.09.2018 को केवीआई कार्यकलापों के संवर्धन के लिए वाराणसी में कारीगरों को वैद्युत चाक, कुम्हारी उपकरण, औजार, मधुमक्खी पेटिका, चरखे एवं करघे वितरित किए। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

द्विपक्षीय सहयोग के बारे में एनएसआईसी तथा मोरक्को के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

संयुक्त सचिव (एसएमई), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के नेतृत्व में एक 2 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एनएसआईसी, भारत गणराज्य तथा मोरक्को किंगडम के लघु और मध्यम उद्यमों के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए दिनांक 24-26 सितम्बर, 2018 तक मोरक्को का दौरा किया। उन्होंने क्षमता निर्माण अनुभवों का साझा करने एवं केवीआई कार्यकलापों के संवर्धन के लिए लिंकेज सृजन हेतु व्यवसाय प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान करने के संदर्भ में एमएसएमई क्षेत्र में दोनों देशों की मजबूती की सहक्रियाशील के तौर-तरीकों एवं उपायों पर चर्चा भी की।

रक्षा और होमलैण्ड सिक्युरिटी एक्सपो और सम्मेलन, 2018

रक्षा और होमलैण्ड सिक्युरिटी एक्सपो और सम्मेलन, 2018 का 06-08 सितम्बर, 2018 तक एनएसआईसी ग्राउण्ड्स में आयोजन किया गया। श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृहमंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं डॉ. जीतेन्द्र सिंह राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग ने इसे संबोधित किया और श्री गिरिराज सिंह, माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, संयुक्त सचिव (एसएमई), रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, अध्यक्ष, ऑर्डिनैंस फैक्टरी बोर्ड, आर्मी, नेवी एवं एयर फोर्स के डिप्यूटी चीफ भी कार्यक्रम में उपस्थित थे जिसमें एनएसआईसी ने 20 एमएसएमई की भागीदारी को सुसाध्य बनाया।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्कीम कॉर्नर

परंगरागत उद्योगों के पुनर्सृजन के लिए निधि स्कीम (स्फूर्ति)

परंपरागत उद्योगों को अधिक उत्पादक, प्रतिस्पर्धा बनाने तथा उनके सतत विकास को सुसाध्य बनाने के उद्देश्य से हमारा मंत्रालय "परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन के लिए निधि स्कीम (स्फूर्ति)" नामक एक केन्द्रीय स्कीम चला रहा है।

स्कीम के मुख्य घटकों में सॉफ्ट इंटरवेंशन, हार्ड इंटरवेंशन तथा थिमैटिक इंटरवेंशन, जिनके लिए वित्तीय सहायता दी जाती है, शामिल हैं। किसी विशेष परियोजना के लिए दी गई वित्तीय सहायता अधिकतम 5 (पाँच) करोड़ रुपए के अधीन है।

स्कीम के अंतर्गत दो प्रकार के क्लस्टर नामतः
(i) नियमित क्लस्टर (500 कारीगरों तक) 2.50 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता से तथा
(ii) मेजर क्लस्टर (500 से अधिक कारीगर) 5.00 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता

100 क्लस्टरों की स्थापना करने के लिए वित्त वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए 350 करोड़ रुपए का परिव्यय अनुमोदित किया गया है।

रजिस्टर करें

श्री कोटिपल्ली साई प्रसाद
पूर्व गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश

पूर्व गोदावरी जिले के श्री कोटापल्ली साई प्रसाद ने सीयूवाई स्कीम के अंतर्गत अपने गाँव पी गन्नावरम में एक कयर उद्योग स्थापित किया। उन्होंने एक विलोविंग मशीन वाली 4 स्वचालित कताई मशीनें खरीदीं और अब प्रति माह 2 मीट्रिक टन दो प्लाई यार्न का उत्पादन कर रहे हैं। अपने द्वारा उत्पादित यार्न के लिए उन्हें एक स्थानीय स्थायी बाजार मिल गया है। इकाई की स्थापना करने तथा अपने ऋण खाते में कयर बोर्ड की सब्सिडी समायोजित करने के बाद उन्होंने 22.08.2016 तक दो वर्ष की अवधि सफलतापूर्वक पूरी की है। कयर उद्योग में भाग लेकर वे अच्छा लाभ अर्जित करते हैं और अचछा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वे अपने गाँव में 9 लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

मैसर्स तपोरन सोसाइटी
वापी टाउन, गुजरात

वर्ष 2015-16 के दौरान श्री प्रशांत कौशिक, तपोरन सोसाइटी, कमरा सं. 804, डाकघर के पास, वापी टाउन, गुजरात (प्रशिक्षण अवधि के दौरान) ने बोर्ड के राष्ट्रीय कयर प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र, अल्लेप्पी से एक वर्षीय उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया है और कयर फाइबर तथा दो प्लाई कयर यार्न के उत्पादन के लिए बोर्ड की कयर उद्यमी योजना स्कीम (10 प्रतिशत अपनी निधि, 50 प्रतिशत बैंक ऋण एवं 40 प्रतिशत सब्सिडी) के अंतर्गत सहायता लेकर एक कयर इकाई शुरु की। वे स्थानीय बाजार में उत्पाद कयर पिथ भी बेच रहे हैं जिसका प्रयोग नर्सरियों आदि में पुष्पोद्यान/उद्यान के लिए किया जाता है। इकाई जिसे 4 सितम्बर, 2016 को शुरु किया गया, वे अब 20 कामगारों को रोजगार दे रही हैं।

बस्तर हस्तशिल्प क्लस्टर
जगदलपुर, छत्तीसगढ़

जगदलपुर, बस्तर जिले में स्थित बस्तर हस्तशिल्प क्लस्टर की 600 कारीगरों को कवर करते हुए 112.78 लाख रु. की कुल परियोजना लागत से वर्ष 2015 के दौरान भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई। क्लस्टर को ट्राइवे, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा कार्यान्वयन किया जाता है। क्लस्टर को ट्राइवे, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा कार्यान्वयन किया जाता है। इस क्लस्टर के मुख्य उत्पाद फाइल कवर, जूट यूटिलिटी मदें, बेल मेटल, शिल्प मदें, कौड़ी शिल्प, इम्ब्रायडरी/पेंटिंग रॉट आयरन, टेक्सटाइल/मिक्स क्राफ्ट आदि हैं। स्फूर्ति स्कीम के इंटरवेंशन से क्लस्टर के कारीगरों को अपने अंतिम उत्पादों को अच्छे बाजार एवं बेहतर मूल्य से नये उत्पादों के विनिर्माण के लिए एक्सपोजर मिला है। मजदूरी भी 70 प्रतिशत तक बढ़ गई है। बस्तर हस्तशिल्प के उत्पादों की अच्छी मांग है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की सोशल मीडिया पर सक्रिय उपस्थिति है जो मंत्रालय के दैनिक कार्यकलापों को दर्शाता है और मंत्रालय को सीधे जनता के साथ जोड़ता है। यह भाग सोशल मीडिया की घटनाओं को दर्शाता है और माह के मुख्य कार्यकलापों को प्रदर्शित करता है।

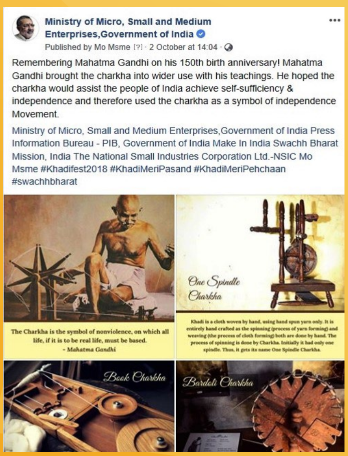

फेसबुक मुख्य अंश

शीर्ष फेसबुक डाक ने 2400 राय (इम्प्रेशन) अर्जित की

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती को याद करते हुए गांधी चरखा इस आशा के साथ लाए कि यह आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में भारत के लोगों की सहायता करेगा। #खादीमहोत्सव2018

पोस्ट देखें

ट्वीटर मुख्य अंश

शीर्ष ट्वीटर डाक ने 25,000 की राय (इम्प्रेशन्स) अर्जित की

रूस के माननीय राष्ट्रपति विलादिमीर पुतिन के दौरे के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के मंत्रालय के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत, रूस, एनएसआईसी ने आरएसएमबी (रूस लघु एवं मध्यम व्यवसाय निगम) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

पोस्ट देखें

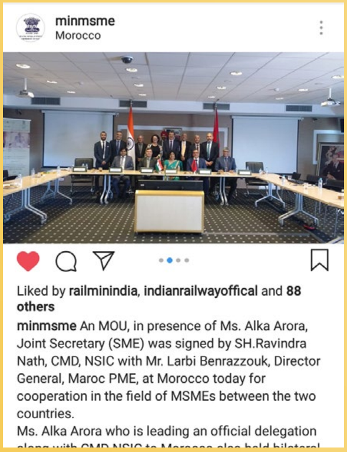

इंस्टाग्राम मुख्य अंश

शीर्ष इंस्टाग्राम पोस्ट ने 776 राय (इम्प्रेशन) अर्जित की

दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए मोरक्को में श्री लारबी बेनराजोक महानिदेशक, मारोक पीएमई के साथ श्री रविन्द्रनाथ, मुख्य महाप्रबंधक, एनएसआईसी द्वारा सुश्री अलका अरोड़ा, संयुक्त सचिव (एसएमई) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षरित किया गया।

पोस्ट देखें

यूटयूब मुख्य अंश

शीर्ष यूट्यूब पोस्ट ने 77 राय अर्जित की

श्री गिरिराज सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन में एक एमएसएमई आंतरिक (इनसाईडर), एक मासिक ई-न्यूजलेटर आरंभ किया। इस ई-न्यूजलेटर का उद्देश्य एमएसएमई के क्षेत्र के बारे में सूचना प्रदान करना है।

पोस्ट देखें

केवीआईसी कौशल विकास

केवीआईसी देश में सूक्ष्म ग्रामोद्योग इकाइयों के उद्यमियों को अपने 39 बहु-विषयक प्रशिक्षण केन्द्रों (एमडीटीसी) के माध्यम से कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसका उद्देश्य केवीआईसी के प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से उद्यमियों को उत्तम प्रशिक्षण प्रदान करके कुटीर उद्योगों को आधुनिक बनाना है।

पोस्ट देखें

फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर हम से जुड़ें @MINMSME

केएनएचपीआई पर्यावरण अनुकूल बैगों का निर्माण

भारतीय, हस्तनिर्मित कागज उद्योग के विकास के लिए केवीआईसी के अंतर्गत कुमारापा राष्ट्रीय हस्तनिर्नित कागज संस्थान (केएनएचपीआई), सांगनेर, जयपुर, एक स्वायत्त संस्थान व्यवहारिक और विकास, परामर्श कार्य और तकनीकी सेवाएं एवं मानव संसाधन विकास में कार्यरत है। केएनएचपीआई के अधिकारी ने हस्तनिर्मित कागज उद्योगों में प्लास्टिक अपशिष्ट (वेस्ट) के उपयोग के लिए अनुसंधान आरंभ किया जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है ''हस्तनिर्मित कागज के निर्माण में पॉलीथिन (वेस्ट) का 20 प्रतिशत संस्थान द्वारा उपयोग करते हुए सभी खादी ग्रामोद्योग भवनों (केजीबी) की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग किया गया तथा सभी विकासात्मक विक्रय आउटलेटों (डीएसओं) द्वारा हस्तनिर्मित कागज कैरी बैगों का निर्माण किया जाएगा। यह पर्यावरण संरक्षण में एक क्रांतिकारी कदम होगा। स्वच्छ भारत अभियान की ओर एक कदम के रूप में प्रदूषित अपशिष्ट (तरल अपशिष्ट या समुद्र में किए गए सिवेज विसर्जन) जैसे नारियल के छिलके और दरियावती नदी के नजदीक पाये गए मंदिर के फूलों के अपशिष्ट को हस्तनिर्मित कागज के निर्माण हेतु मिलाया गया।

सीआरआई जैविक खाद विकसित करता है।

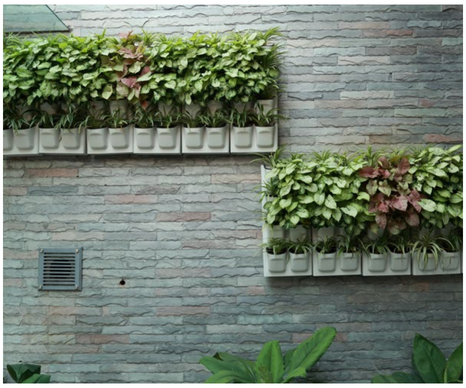

प्राकृतिक परिपूरक अर्थात् नीम केक, अजूला और मछली के अवशेष के साथ कयर गूदे का प्रयोग करके केन्द्रीय कयर अनुसंधान संस्थान में कयर कृषि मित्र जैविक खाद विकसित की गई है। विभिन्न सब्जियों पर कयर कृषि मित्र का प्रभाव परिणाम परक है। भवन स्थानों के सौन्दर्यकरण के लिए कयर फाईबर सबस्ट्रेट का प्रयोग करते हुए सीसीआरआई में एक सीधा (वर्टिकल) बगीचा स्थापित किया गया है। सीसीआरआई में स्थापित पायलट स्केल लेबोरेटरी में कयर फाईबर/कयर गूदा का परीक्षण और बायोकैमिकल प्रयोग करते हुए फाईबर गुणवत्ता सुधार, कयर गूदा मिश्रित खाद के लिए पिथप्लस का निर्माण किया गया।

पिथप्लस उत्पादन को कयर बोर्ड भुवनेश्वर, सीआईसीटी बैंगलोर और कयर बोर्ड पोलाची में स्थापित पीएसएल में भी आरंभ किया गया है।

उपलब्धियां
(वर्ष 2018-19 सितम्बर तक)

क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट फंड (सीजीटी फंड)

सीजीटी फंड स्कीम के अंतर्गत 16,32,722 व्यक्तियों को लाभ दिया गया और 1,63,272.2 करोड़ रु. की गारंटी अनुमोदित की गई।

एमएसई-क्लस्टर विकास कार्यक्रम

वर्ष 2014-2018 के दौरान 22 सीएफसी और 27 आईडी परियोजनाओं की स्थापना सहित इस स्कीम के अंतर्गत कुल व्यय 423.33 करोड़ रु. तक रहा।

स्फूर्ति (परंगरागत उद्योगों के पुनरूद्धार के लिए निधि की स्कीम)

72 क्लस्टरों को अनुमोदित किया गया। 13,957.91 लाख रु. की लागत की परियोजना अनुमोदित की गई है जिसमें से 106.85 करोड़ रु. मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 59900 कारीगरों को लाभ दिया गया है।

उद्योग आधार ज्ञापन

उद्योग आधार में अब तक 1313040 (13 लाख) इकाई ने पंजीकरण किया है। केवल बिहार में ही लगभग 790551 इकाइयों ने पंजीकरण कराया है।

सीएससी के माध्यम से खादी कारीगरों को बैंकिंग सुविधाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

देश भर में फैले 2.7 लाख सामान्य सेवा केन्द्रों की सहायता से डीबीटी विधि के माध्यम से खादी कारीगरों को प्रोत्साहन के भुगतान को सुविधाजनक बनाने के लिए श्री गिरिराज सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की उपस्थिति में खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) और सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी)-ई-गवरनेंस सर्विसेज इंडिया लि., इलेक्ट्रोनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच दिनांक 20 सितम्बर, 2018 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। यह न केवल लाखों खादी कारीगरों का वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने में सहायता करेगा बल्कि यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को भी आगे बढ़ायेगा। नकद निकासी, जमा करना बकाया राशि की जांच और मिनी स्टेटमेंट बिना लागत जैसी बैंक सेवाएं प्राप्त करने के लिए सीएससी पर खादी कारीगरों को केवल अपना आधार संख्या देनी है।

अखिल भारतीय प्रबन्धन संघ (एआईएमए) 8वां एमएसएमई राष्ट्रीय सम्मेलन

निम्समे, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, फेडेरेशन ऑफ तेलंगाना आंध्र प्रदेश चैम्बर्स ऑफ कामर्स एवं इन्डस्ट्रीज (एफटीएपीसीसीआई) और हैदराबाद प्रबन्धक संगठन की साझेदारी में दिनांक 6-7 सितम्बर, 2018 को हैदराबाद में 8वां एआईएमए एमएसएमई सम्मेलन आयोजित किया गया। डॉ. अरुण कुमार पंडा, भारतीय प्रशासनिक सेवा, सचिव भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। डॉ. जुनेजा, एआईएमए एमएसएमई समिति के अध्यक्ष ने कहा कि एमएसएमई विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी बन चुकी हैं परंतु उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए गुणवत्ता और स्तर सुधारने और नवप्रवर्तनशील होने की आवश्यकता है। दो दिवसीय के सम्मेलन में लगभग 600 प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक तथा भलीभांति से भाग लिया।

अक्तूबर माह के लिए आगामी कार्यक्रम/प्रशिक्षण/कार्यकलाप

एनएसआईसी | एमएसएमई-डीआई | प्रौद्योगिकी केन्द्र | निम्समे

और ज्यादा जानकारी के लिए उपर्युक्त श्रेणियों पर क्लिक करें।

feedback-msme@gov.in पर हमसे मिले